



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा

जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

F.No.6-1/2024/PRO/28

27th February 2025

Greetings from Central University of Gujarat

भारत की समृद्ध शिक्षण परंपरा में चिंतकों और शिक्षकों का योगदान

- सीयूजी में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोले विशेषज्ञ
- महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ की कुलाधिपति राजमाता शुभांगिनीराजे गायकवाड़ ने किया संबोधित

वडोदरा। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज और महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा (एमएसयू) के अटल बिहारी वाजपेयी नीति अनुसंधान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (एआईपीआरआईएस) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को एमएसयू की कुलाधिपति राजमाता शुभांगिनीराजे गायकवाड़ ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। गुरुवार को कुंदेला स्थित स्थायी परिसर में "भारत के प्रमुख शैक्षिक विचारकों के विचार और एनईपी -2020 के माध्यम से परिवर्तनकारी शिक्षा" विषयक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में राजमाता ने कहा कि सीयूजी और एमएसयू जैसे शिक्षण संस्थानों ने गुजरात राज्य की अस्मिता को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ के शिक्षा पर योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि आजादी से पूर्व भी बड़ौदा राज्य की प्राथमिक साक्षरता दर सौ फीसदी थी। उन्होंने देश की संस्कृति एवं कला को बढ़ावा देने का कार्य किया था, जिसका प्रभाव वर्तमान समय में भी है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता गुंथा लक्ष्मण ने कहा कि हमारा इतिहास गौरवशाली रहा है। यहां अध्ययन के लिए विश्वभर से लोग आते थे। भारत की समृद्ध शिक्षण परंपरा में हमारे चिंतकों और शिक्षकों का बड़ा योगदान रहा है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. मनीष ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक चर्चाओं के साथ आगे भी इसी तरह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान एआईपीआरआईएस के निदेशक प्रो. अमित ढोलकिया ने सीयूजी के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान एवं एमएसयू के एआईपीआरआईएस के बीच एमओयू होने के बारे में जानकारी



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा

जनसंपर्क अधिकारी

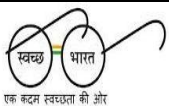
By Speed Post/By Email/By Hand

दी। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिटिश काल से पूर्व ही भारत को शिक्षण में महारथ हासिल थी। एनईपी-2020 के माध्यम से अब भारत फिर से विश्वगुरु बनेगा।

शिक्षा में भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता का समावेश

उपाध्यक्षता करते हुए एमएसयू के प्रभारी कुलपति प्रो. धनेष पटेल ने आचार्य चाणक्य, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ ठाकुर, महर्षि अरविंद और पंडित मदन मोहन मालवीय के शिक्षा के क्षेत्र में किये योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था और एनईपी-2020 के बीच समानताओं के बारे में बताया।

इस दौरान सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय का मार्गदर्शन किया था। 1922 से 1929 तक महाराजा सयाजीराव बीएचयू के चांसलर भी रहे। पूर्व में मैकाले की शिक्षा पद्धति से प्रभावित होकर देश में पाश्चात्य संस्कृति की तर्ज पर शिक्षा दी जाती थी। पहली बार महामना ने बीएचयू की स्थापना कर भारतीय मूल्यों के आधार पर शिक्षा देने की शुरुआत की। उनका मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य मानव निर्माण करना है। हमारी शिक्षा में भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता का समावेश होना चाहिए। इस दौरान एमएस यूनिवर्सिटी के पीजी स्टूडेंट्स द्वारा एनईपी-2020 पर लिखी पुस्तक का लोकार्पण किया गया। उल्लेखनीय है कि दो दिवसीय इस संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को एमएसयू में किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच. बी. पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं संस्थान की डॉ. प्रीति शर्मा ने मंच संचालन किया।



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

Contribution of Thinkers and Educators in India's Rich Educational Tradition

- Experts speak at the two-day national seminar at CUG
- Rajmata Shubhangini Raje Gaekwad, Chancellor of Maharaja Sayajirao University, addressed the session

Vadodara. The two-day national seminar, jointly organized by the School of International Studies at Central University of Gujarat (CUG) and the Atal Bihari Vajpayee Institute of Policy Research and International Studies (AIPRIS) at Maharaja Sayajirao University of Baroda (MSU), was inaugurated by Rajmata Shubhangini Raje Gaekwad, the Chancellor of MSU, as the Chief Guest. On Thursday, at the permanent campus in Kundhela, during the inaugural session of the seminar titled "Ideas of India's Eminent Educational Thinkers and Transformative Education through NEP-2020," Rajmata highlighted that institutions like CUG and MSU have worked towards advancing the identity of Gujarat. She emphasized Maharaja Sayajirao Gaekwad's contributions to education, noting that even before independence, the literacy rate in the Baroda state was 100 percent. She also mentioned the efforts to promote the country's culture and art, which continue to have an impact today.

The keynote speaker, social activist Laxman Guntha, remarked that India's history is glorious, and people from around the world came to study here. He praised the significant contributions of India's thinkers and educators to the country's rich educational tradition. During this session, Professor Manish, Dean of the School of International Studies at CUG, delivered the welcome address. He mentioned that academic discussions between the two institutions would continue, and similar programs would be organized in the future. Additionally, Professor Amit Dholakia, Director of AIPRIS, provided information about the Memorandum of Understanding (MoU) between the School of International Studies at



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

CUG and AIPRIS at MSU. He also stated that India had already mastered education even before the British era, and with NEP-2020, India would once again become the world guru.

Incorporating Spirituality Alongside Materialism in Education

Prof. Dhanesh Patel, Vice Chancellor (In-Charge) of MSU, shared his thoughts on the contributions made by educational reformers like Acharya Chanakya, Ishwar Chandra Vidyasagar, Swami Vivekananda, Mahatma Gandhi, Rabindranath Tagore, Maharishi Arvind, and Pandit Madan Mohan Malaviya. He drew comparisons between the ancient Indian education system and NEP-2020. During this, Prof. Rama Shanker Dubey, Vice Chancellor of CUG, who presided over the seminar, spoke about the guidance provided by Maharaja Sayajirao Gaekwad to Pandit Madan Mohan Malaviya. He served as the Chancellor of Banaras Hindu University (BHU) from 1922 to 1929. He noted that earlier, influenced by Macaulay's education system, the country followed a Western culture-based education system. For the first time, Mahamana Malaviya established BHU, laying the foundation for education based on Indian values. He believed that the purpose of education is human development. Our education should integrate materialism with spirituality.

During the session, a book written by MSU PG students on NEP-2020 was launched. It is noteworthy that this two-day seminar will conclude on Friday at MSU. The University's Registrar, Prof. H.B. Patel, presented vote of thanks, while Dr. Preeti Sharma from the School moderated the session.

ભારતની સમૃદ્ધ શૈક્ષણિક પરંપરામાં વિચારકો અને શિક્ષકોનું યોગદાન



સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.- 8963840032, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

- સીયુજીમા બે દિવસીય રાષ્ટ્રીય સેમિનારમાં નિષ્ણાતોએ સંવાદ સાધ્યો
- મહારાજા સયાજીરાવ યુનિવર્સિટીના ચાન્સેલર રાજમાતા શુભાંગી રાજે ગાયકવાડે સંબોધન કર્યું

વડોદરા. મહારાજા સયાજીરાવ યુનિવર્સિટીના ચાન્સેલર રાજમાતા શુભાંગીરાજે ગાયકવાડે સ્કૂલ ઓફ ઇન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝ, સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત (CUG) અને અટલ બિહારી વાજપેયી ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ પોલિસી રિસર્ચ એન્ડ ઇન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝ (AIPRIS), મહારાજા સયાજીરાવ યુનિવર્સિટી ઓફ બરોડા (MSU) દ્વારા સંયુક્ત રીતે આયોજિત બે દિવસીય રાષ્ટ્રીય સેમિનારના ઉદ્ઘાટન સત્રને મુખ્ય અતિથિ તરીકે સંબોધન કર્યું હતું. ગુરુવારે કુંઢેલાના કાયમી કેમ્પસમાં "ભારતના અગ્રણી શૈક્ષણિક વિચારકોના વિચારો અને NEP-2020 દ્વારા પરિવર્તનશીલ શિક્ષણ" વિષય પર આયોજિત સેમિનારના ઉદ્ઘાટન સત્રમાં બોલતા, માનનીય રાજમાતા શુભાંગીરાજે ગાયકવાડે જણાવ્યું હતું કે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત અને મહારાજા સયાજીરાવ યુનિવર્સિટી જેવી શૈક્ષણિક સંસ્થાઓએ ગુજરાત રાજ્યની ઓળખને આગળ વધારવા માટે કામ કર્યું છે. મહારાજા સયાજીરાવ ગાયકવાડના શિક્ષણમાં યોગદાન પર પ્રકાશ પાડતા તેમણે કહ્યું કે સ્વતંત્રતા પહેલા પણ બરોડા રાજ્યનો પ્રાથમિક સાક્ષરતા દર સો ટકા હતો. તેમણે દેશની સંસ્કૃતિ અને કલાને પ્રોત્સાહન આપવાનું કામ કર્યું, જેની અસર આજે પણ દેખાય છે. સેમિનારના મુખ્ય વક્તા અને સામાજિક કાર્યકર જી લક્ષ્મણે જણાવ્યું હતું કે આપણો ઇતિહાસ ગૌરવશાળી રહ્યો છે. દુનિયાભરના લોકો અહીં અભ્યાસ કરવા આવતા હતા. આપણા વિચારકો અને શિક્ષકોએ





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

ભારતની સમૃદ્ધ શૈક્ષણિક પરંપરામાં મોટું યોગદાન આપ્યું છે. આ સમય દરમિયાન, ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝના ડીન, પ્રો. મનીષે સ્વાગત પ્રવચન કર્યું. તેમણે કહ્યું કે ભવિષ્યમાં બંને સંસ્થાઓ વચ્ચે શૈક્ષણિક સંવાદ સાથે સમાન કાર્યક્રમોનું આયોજન કરવામાં આવશે. આ સમય દરમિયાન, AIPRIS ના ડિરેક્ટર પ્રો. અમિત ઘોળકિયાએ સીયુજીના ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝ અને મહારાજા સયાજીરાવ યુનિવર્સિટી વડોદરાના AIPRIS વચ્ચે થયેલા MoU વિશે માહિતી આપી. તેમણે વધુમાં કહ્યું કે બ્રિટિશ કાળ પહેલા પણ ભારતમાં શિક્ષણમાં કુશળતા હતી. હવે ભારત ફરી એકવાર NEP-2020 દ્વારા વિશ્વ નેતા બનશે.

શિક્ષણમાં ભૌતિકવાદ સાથે આધ્યાત્મિકતાનું એકીકરણ

આ પદના અધ્યક્ષસ્થાને, MSU ના કાર્યકારી કુલપતિ પ્રો. ધનેશ પટેલે આચાર્ય ચાણક્ય, ઈશ્વરચંદ્ર વિદ્યાસાગર, સ્વામી વિવેકાનંદ, મહાત્મા ગાંધી, રવિન્દ્રનાથ ટાગોર, મહર્ષિ અરવિંદ અને પંડિત મદન મોહન માલવિયાના શિક્ષણ ક્ષેત્રે યોગદાન પર પોતાના વિચારો રજૂ કર્યા. તેમણે પ્રાચીન ભારતીય શિક્ષણ પ્રણાલી અને એનઈપી-2020 વચ્ચેની સમાનતાઓ વિશે વાત કરી. આ દરમિયાન, સેમિનારના અધ્યક્ષસ્થાને, સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ, પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે બરોડાના મહારાજા સયાજીરાવે મહામના પંડિત મદન મોહન માલવિયાને માર્ગદર્શન આપ્યું હતું. મહારાજા સયાજીરાવ ૧૯૨૨ થી ૧૯૨૯ સુધી બનારસ હિન્દુ યુનિવર્સિટીમાં કુલાધિપતિ રહ્યા હતા. અગાઉ, મેકોલેની શિક્ષણ પ્રણાલીથી પ્રભાવિત થઈને,



સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.- 8963840032, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

દેશમાં પશ્ચિમી સંસ્કૃતિની મુજબ શિક્ષણ આપવામાં આવતું હતું. પહેલી વાર, મહામના માલવીયાજીએ બનારસ હિન્દુ યુનિવર્સિટીની સ્થાપના કરી અને ભારતીય મૂલ્યોના આધારે શિક્ષણ આપવાનું શરૂ કર્યું. તેમનું માનવું હતું કે શિક્ષણનો ઉદ્દેશ્ય માનવ નિર્માણ કરવાનો છે. આપણા શિક્ષણમાં ભૌતિકવાદની સાથે આધ્યાત્મિકતાનો પણ સમાવેશ થવો જોઈએ. આ દરમિયાન, એમએસ યુનિવર્સિટીના પીજીનાં વિદ્યાર્થીઓ દ્વારા એન ઈ પી - 2020 પર લખાયેલ પુસ્તકનું વિમોચન કરવામાં આવ્યું. ઉલ્લેખનીય છે કે આ બે દિવસીય સેમિનાર શુક્રવારે મહારાજા સયાજીરાવ યુનિવર્સિટી ખાતે પૂર્ણ થશે. સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના રજિસ્ટ્રાર પ્રો. એચ.બી. પટેલે આભાર વ્યક્ત કર્યો. સંસ્થાનના ડો. પ્રીતિ શર્માએ મંચ સંચાલન કર્યું.



સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.- 8963840032, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोन नं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

With regards,

Your Truly,

Sunil sharma

Dr. Sunil Kumar Sharma

Public Relations Officer

Central University of Gujarat,

Kundhela, Vadodara

Gujarat, India

+918963840032

Email Id – pro@cug.ac.in

Web www.cug.ac.in

Don't print unless it's necessary.... Let's save the environment.



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.- 8963840032, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in

